STATEMENT BY MINISTER

Conversion of Rajiv Gandhi University, Itanagar, and Tripura University, Agartala, into Central Universities and Establishment of a new Central University in Sikkim

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): Sir, there are six Central Universities that have so far been established in five of the eight States of the North-Eastern Region. The remaining three States of the region, namely, Arunachal Pradesh, Sikkim and Tripura do not yet have a Central University.

Special attention to the development of the North-Eastern Region is an article of faith with the Central Government, and is one of the cornerstones of the National Common Minimum Programme. Accordingly, the Government have decided to convert the Rajiv Gandhi University, Itanagar, and Tripura University, Agartala, into Central Universities, and to establish a new Central University in Sikkim to cater to the needs and aspirations of the people of these States.

We shall soon be coming before this august House with specific legislative proposals for the purpose.

DISCUSSION ON WORKING OF MINISTRIES OF PANCHAYATI RAJ AND RURAL DEVELOPMENT - *Contd.*

डा0 फागुनी राम : महोदय, महात्मा गांधी जी ने ग्राम स्वराज व ग्राम राज की कल्पना की थी और उनका उद्देश्य था कि लोगों के कल्याण का प्रत्येक रास्ता वहां तक पहुंचे। इसी क्रम में मैं एक बात निवेदन करना चाहता हूं कि राजीव गांधी जी जब प्रधान मंत्री थे, तो एक बार रांची गए थे। वहां रांची के मैदान में सभा करके खूंटी गए। वहां बिरसा भगवान पर पुष्प अर्पित करके वहां से उनको गुल्ला विहार जाना था। हम लोग एम0पी0जी0 ज्वॉइंट कंसल्टेटिव कमेटी के साथ अटैच थे, इसलिए हमें उनके साथ जाने का मौका मिला। राजीव जी ने बीच में एक जगह जहां आदिवासियों की संख्या अच्छी थी, वहां उतरकर आदिवासी भाई-बहनों से जानना चाहा कि वे कैसे खाते हैं, कैसे रहते हैं, क्या करते हैं और उनको क्या सुविधा है, क्या नहीं है? उनसे सब कुछ जानकर वह इतने आहत हुए, इतने विह्ल हो गए, उनकी दयालुता व मानवता इतनी जाग उठी कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। तब उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि हम सरकार की तरफ से जो पैसा देते हैं, वह पैसा वहां तक नहीं पहुंच पाता है। फिर उसी समय जब हम वहां रांची से दिल्ली लौट रहे थे तो हवाई जहाज पर ही जो पत्रकार व अन्य लोग मौजूद थे, उनसे विचार-विमर्श करके उन्होंने कल्पना की कि कुछ ऐसा प्रबंध करना चाहिए कि सेंट्रल गवर्नमेंट जो पैसा यहां से गांव के लिए भेजती है, वह पैसा उसके पास जरूर चला जाये। तब उन्होंने ग्राम पंचायत राज की कल्पना की। फिर यहां आकर एक मीटिंग की जिसमें हमारे प्रधान